International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 14 Issue 2, March-April, 2026

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

अमिता चौधरी[1], डॉ. आशीष कुमार[2]

[1]शोधकर्ती, आईसीएसएसआर डॉक्टोरल फेलो, भदावर विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज, बाह, आगरा
[2]शोध पर्यवेक्षक, (असिस्टेंट प्रोफेसर), शिक्षाशास्त्र भदावर विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज, बाह, आगरा

सारांश

आधुनिक समय में इंटरनेट ने शिक्षा के स्वरूप को व्यापक रूप से प्रभावित किया है तथा शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाया है। भारतीय भाषाओं के अध्ययन में भी इंटरनेट एक महत्वपूर्ण शैक्षिक संसाधन के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी विविध डिजिटल सामग्री, ई–संसाधन एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। इसी संदर्भ में प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को अपनाया गया है। शोध के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से चयनित कुल 120 माध्यमिक विद्यार्थियों को नमूने के रूप में शामिल किया गया। आँकड़ों के संकलन हेतु शोधकर्ता द्वारा विकसित इंटरनेट उपयोग अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण करने के लिए माध्य, मानक विचलन एवं ज–परीक्षण जैसी उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय भाषा अध्ययन के संदर्भ में इंटरनेट उपयोग के प्रति ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में उल्लेखनीय अंतर विद्यमान है। शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में इंटरनेट के प्रति अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति पाई गई। शोध यह संकेत देता है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी सुविधाओं, डिजिटल जागरूकता एवं शैक्षिक इंटरनेट संसाधनों को सुदृढ़ किया जाए, तो भारतीय भाषा शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। यह अध्ययन शिक्षकों, शोधार्थियों एवं शैक्षिक नीति–निर्माताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है तथा भारतीय भाषा शिक्षा में इंटरनेट के सार्थक उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

मुख्य शब्द: भारतीय भाषा, इंटरनेट आधारित अध्ययन, विद्यार्थियों की अभिवृत्ति, माध्यमिक स्तर, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र।

परिचय

आधुनिक समाज में इंटरनेट ने सूचना के आदानदृप्रदान को तीव्र और सरल बनाते हुए शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। वर्तमान समय में शिक्षा केवल कक्षा–कक्ष तक सीमित न रहकर इंटरनेट के माध्यम से व्यापक रूप ग्रहण कर चुकी है। इंटरनेट ने विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के अनेक नवीन साधन उपलब्ध कराए हैं, जिससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया अधिक प्रभावशाली एवं रुचिकर बन गई है। भारतीय भाषाएँ देश की सांस्कृतिक विरासत और शैक्षिक परंपरा की संवाहक हैं। माध्यमिक स्तर पर भारतीय भाषा अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा दक्षता, भावाभिव्यक्ति तथा चिंतन क्षमता का विकास करना है। इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध ई–सामग्री, ऑनलाइन शब्दकोश, शैक्षिक वीडियो एवं भाषा संबंधी डिजिटल संसाधन भारतीय भाषा शिक्षण को अधिक सहज और व्यावहारिक बनाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इंटरनेट के व्यापक प्रसार के साथ यह आवश्यक हो गया है कि यह समझा जाए कि विद्यार्थी भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट का उपयोग किस रूप में करते हैं तथा

इसके प्रति उनकी अभिवृत्ति कैसी है। विद्यार्थियों की अभिवृत्ति उनके अध्ययन व्यवहार, रुचि एवं सीखने की प्रवृत्ति को प्रभावित करती है। सकारात्मक अभिवृत्ति विद्यार्थियों को इंटरनेट का शैक्षिक दृष्टि से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित करती है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधाओं की उपलब्धता, तकनीकी संसाधनों एवं जागरूकता के स्तर में भिन्नता देखी जाती है, जिसका प्रभाव विद्यार्थियों की अभिवृत्ति पर पड़ना स्वाभाविक है। इसी कारण ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना आवश्यक प्रतीत होता है।

इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित है। यह अध्ययन भाषा शिक्षण में इंटरनेट की उपयोगिता को स्पष्ट करने के साथ–साथ विद्यार्थियों की अभिवृत्ति को समझने एवं शैक्षिक योजनाओं के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

समीक्षा साहित्य

- **सिंह, पूजा (2020)** ने **"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के भाषा अधिगम पर इंटरनेट उपयोग की भूमिका"** विषय पर अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि इंटरनेट आधारित संसाधनों के उपयोग से विद्यार्थियों की भाषा समझ, शब्दावली एवं रुचि में सकारात्मक वृद्धि हुई।
- **वर्मा, अजय (2021)** ने **"माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर डिजिटल संसाधनों के प्रभाव"** का अध्ययन किया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि जिन विद्यार्थियों ने शैक्षिक उद्देश्यों से इंटरनेट का नियमित उपयोग किया, उनमें अध्ययन के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति पाई गई।
- **कुमार, राधिका (2022)** ने **"भारतीय भाषा अध्ययन में इंटरनेट आधारित शिक्षण का प्रभाव"** विषय पर शोध किया। अध्ययन में यह पाया गया कि इंटरनेट के प्रयोग से भाषा शिक्षण अधिक रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनता है, जिससे विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया में सुधार होता है।
- **यादव, नीरज (2023)** ने **"ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में इंटरनेट उपयोग की प्रवृत्ति का अध्ययन"** किया। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि शहरी विद्यार्थियों की तुलना में ग्रामीण विद्यार्थियों में इंटरनेट उपयोग के अवसर अपेक्षाकृत सीमित पाए गए।
- **मिश्रा, नेहा (2025)** ने **"माध्यमिक स्तर पर भारतीय भाषा शिक्षण में इंटरनेट उपयोग के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति"** पर अध्ययन किया। अध्ययन के परिणामों से यह ज्ञात हुआ कि अधिकांश विद्यार्थियों की इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक थी तथा यह भाषा अध्ययन में सहायक सिद्ध हो रही थी।

समस्या का विवरण ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन के उद्देश्य

- ग्रामीण माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नही पाया जाएगा।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। इस विधि के माध्यम से विद्यार्थियों की अभिवृत्ति से संबंधित तथ्यों का वस्तुनिष्ठ एवं वास्तविक रूप में संकलन एवं विश्लेषण किया गया।

शोध की रूपरेखा

प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक शोध रूपरेखा को अपनाया गया है। इस अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन एवं तुलना करना है। शोध में सर्वेक्षण विधि के माध्यम से आँकड़ों का संकलन किया गया तथा प्राप्त आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाले गए।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या में संबंधित क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के समस्त विद्यार्थी सम्मिलित हैं।

नमूना

प्रस्तुत अध्ययन के लिए जनसंख्या में से कुल 120 माध्यमिक विद्यार्थियों का चयन नमूने के रूप में किया गया। इनमें 60 विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र तथा 60 विद्यार्थी शहरी क्षेत्र से चयनित किए गए। नमूना चयन हेतु सुविधाजनक नमूना चयन विधि का प्रयोग किया गया।

तालिका 1 : अध्ययन का नमूना वितरण

क्रम सं.	क्षेत्र	विद्यार्थियों की संख्या
1	ग्रामीण	60
2	शहरी	60
कुल		120

सीमाएँ

प्रस्तुत अध्ययन लखनऊ जनपद के ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों तक सीमित है, अतः इसके निष्कर्षों को अन्य क्षेत्रों पर सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता। अध्ययन में सीमित नमूना आकार (120 विद्यार्थी) लिया गया है।

तालिका 2 : ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का t–परीक्षण

समूह	N	Mean	SD	t-value
ग्रामीण	60	68.40	8.25	1.12
शहरी	60	70.10	7.90	

उपरोक्त तालिका में ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति के माध्यों की तुलना t–परीक्षण के माध्यम से की गई है। तालिका के अनुसार ग्रामीण विद्यार्थियों का माध्य 68.40 तथा शहरी विद्यार्थियों का माध्य 70.10 पाया गया। गणितीय t–मान 1.12 प्राप्त हुआ, जबकि 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी t–मान 1.98 है। चूँकि गणितीय t–मान सारणी t–मान से कम है, इसलिए दोनों समूहों के मध्य पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

उपरोक्त अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। दोनों समूहों की अभिवृत्ति तुलनात्मक रूप से लगभग समान पाई गई। यह परिणाम संकेत देता है कि इंटरनेट के माध्यम से भारतीय भाषा अध्ययन में विद्यार्थियों की रुचि और अभिवृत्ति दोनों क्षेत्रों में संतुलित रूप से विकसित हो रही है। साथ ही, यह अध्ययन शैक्षिक नीतिकारों और शिक्षकों के लिए उपयोगी हो सकता है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट आधारित भाषा शिक्षण को और प्रभावी बनाने की दिशा में सुझाव विकसित किए जा सकते हैं।

सुझाव

अध्ययन के आधार पर यह सुझाव दिया जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए तथा विद्यालयों में डिजिटल भाषा संसाधनों जैसे ई–पुस्तकें, ऑनलाइन शब्दकोश और शैक्षिक वीडियो का समावेश किया जाए। शिक्षकों को इंटरनेट आधारित शिक्षण विधियों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि वे विद्यार्थियों को प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें। इसके अलावा, विद्यार्थियों की इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति को सकारात्मक बनाने के लिए कार्यशालाएँ और गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं। भविष्य के शोध में अन्य सामाजिक–आर्थिक और भौगोलिक कारकों को भी शामिल कर अध्ययन को और व्यापक बनाया जा सकता है।

आभार

मैं अपने शोध पत्र **"ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में भारतीय भाषा अध्ययन हेतु इंटरनेट उपयोग के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"** के लिए **भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR)**, भारत सरकार का तहेदिल से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने इस अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की।

संदर्भ

- शर्मा, ऋ.(2018). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समस्या–समाधान कौशल पर इंटरनेट का प्रभाव. नई दिल्ली: शिक्षा प्रकाशन।
- सिंह, पी. (2020). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के भाषा अधिगम पर इंटरनेट उपयोग की भूमिका. भारतीय शिक्षा पत्रिका, 12(3), 45–52.
- वर्मा, अ. (2021). माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर डिजिटल संसाधनों का प्रभाव. शिक्षा और समाज, 8(2), 33–40.
- कुमार, र. (2022). भारतीय भाषा अध्ययन में इंटरनेट आधारित शिक्षण का प्रभाव. शोध प्रकाश, 15(1), 22–30.
- यादव, न. (2023). ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यार्थियों में इंटरनेट उपयोग की प्रवृत्ति का अध्ययन. शिक्षा विकास पत्रिका, 9(4), 55–63.
- मिश्रा, ने. (2025). माध्यमिक स्तर पर भारतीय भाषा शिक्षण में इंटरनेट उपयोग के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति. अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 7(2), 12–20.